सावन महोत्सव शोभायात्रा, कावड़ यात्रा और भोले बाबा की बारात बनेगी श्रद्धा का केंद्र

पार्थिव शिवलिंग निर्माण, रुद्राभिषेक एवं शिव महापुराण 1 से

नवभारत,धनपुरी। श्रावण मास भगवान शिव की आराधना का सर्वश्रेष्ठ समय माना जाता है। इसी पावन अवसर पर धनपुरी नगर एक बार फिर शिवमय होने जा रहा है। नगर की प्रतिष्ठित संकल्प सेवा समिति के तत्वावधान में 1 अगस्त से 11 अगस्त 2026 तक सुप्रसिद्ध श्री राधा-कृष्ण मंदिर में पार्थिव शिवलिंग निर्माण, रुद्राभिषेक, शिव महापुराण कथा, भव्य शोभायात्रा, कावड़ यात्रा, भोले बाबा की बारात तथा हवन-भंडारे सहित अनेक धार्मिक आयोजनों का विराट आयोजन किया जाएगा। आयोजन को लेकर पूरे नगर सहित संभागभर के श्रद्धालुओं में अभी से उत्साह और आस्था का वातावरण दिखाई देने लगा है। समिति द्वारा तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है, वहीं दूर-दराज़ के भक्त भी इस दिव्य आयोजन में शामिल होंगे।

पिछले वर्षों की तरह इस बार भी आयोजन को भव्य एवं दिव्य स्वरूप देने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। आयोजन की विशेषता यह है कि प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु श्री राधा-कृष्ण मंदिर पहुंचकर अपने हाथों से पार्थिव शिवलिंग का निर्माण करेंगे तथा भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान से पूजन एवं रुद्राभिषेक करेंगे। श्रद्धालुओं का मानना है कि सावन में पार्थिव शिवलिंग की पूजा-अर्चना करने से भगवान शिव शीघ्र प्रसन्न होकर मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

प्रतिदिन होगा पार्थिव शिवलिंग का निर्माण

धार्मिक कार्यक्रम के अंतर्गत 1 अगस्त से 11 अगस्त तक प्रतिदिन सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक पार्थिव शिवलिंग निर्माण का कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें बड़ी संख्या में महिला, पुरुष, युवा एवं बच्चे श्रद्धाभाव से भाग लेंगे। वहीं प्रतिदिन सायं 4 बजे से 7 बजे तक शिव महापुराण पर मंगलमय प्रवचन का आयोजन किया जाएगा। इस दिव्य कथा का वाचन सुप्रसिद्ध आचार्य विवेक तिवारी करेंगे, जिनके श्रीमुख से शिव महिमा का श्रवण करने का सौभाग्य श्रद्धालुओं को प्राप्त होगा। आचार्य विवेक तिवारी भगवान शिव के जीवन, उनके आदर्शों, भक्ति, वैराग्य एवं सनातन संस्कृति के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालेंगे। समिति ने कथा स्थल को आकर्षक धार्मिक सजावट से सुसज्जित करने की तैयारी शुरू कर दी है, जिससे श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक वातावरण का दिव्य अनुभव प्राप्त हो सके।

धार्मिक आयोजन का शुभारंभ 1 अगस्त को दोपहर 3 बजे भव्य शोभायात्रा के साथ होगा। यह शोभायात्रा श्री राधा-कृष्ण मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य चौराहों से होते हुए मां ज्वालामुखी मंदिर पहुंचेगी तथा पुन: राधा-कृष्ण मंदिर में आकर संपन्न होगी। शोभायात्रा में भगवान शिव एवं देवी-देवताओं की आकर्षक झांकियां, भजन-कीर्तन, ढोल-नगाड़ों की मधुर धुन और जयघोष पूरे नगर को शिवमय बना देंगे। पिछले वर्ष निकली शोभायात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया था तथा नगरवासियों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा एवं स्वागत कर धार्मिक एकता और आस्था का अद्भुत परिचय दिया था। इसी क्रम में 5 अगस्त को शाम 6 बजे दुर्गा मढ़िया मंदिर से भोले बाबा की भव्य बारात निकाली जाएगी। भगवान शिव के विवाह उत्सव की झलक प्रस्तुत करने वाली इस अनूठी बारात में शिव-पार्वती स्वरूप, देवताओं की झांकियां, नंदी महाराज, शिवगण तथा आकर्षक धार्मिक प्रस्तुतियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेंगी। पिछले वर्ष इस बारात ने पूरे नगर में भक्ति और उत्साह का अनुपम वातावरण निर्मित किया था। नगर की सड़कों पर जब भोलेनाथ की बारात निकली थी, तब हजारों श्रद्धालु शिवभक्ति में सराबोर होकर नृत्य करते हुए शामिल हुए थे और जगह-जगह श्रद्धालुओं ने बारात का भव्य स्वागत किया था। वहीं 8 अगस्त को सुबह 10 बजे मां ज्वालामुखी मंदिर से विशाल कावड़ यात्रा निकाली जाएगी, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए श्री राधा-कृष्ण मंदिर पहुंचेगी। इस वर्ष कावड़ यात्रा को और अधिक भव्य एवं आकर्षक बनाने के लिए संकल्प सेवा समिति विशेष तैयारियां कर रही है। समिति का उद्देश्य है कि अधिक से अधिक श्रद्धालु इस पवित्र यात्रा में सम्मिलित होकर भगवान शिव का जलाभिषेक करें और नगर में धार्मिक चेतना का संदेश प्रसारित करें। आयोजन के अंतिम चरण में 10 अगस्त को श्रद्धालुओं द्वारा निर्मित पार्थिव शिवलिंगों का विशाल शोभायात्रा के साथ खेर माता मंदिर में विसर्जन किया जाएगा। इसके उपरांत 11 अगस्त को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन, पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे के साथ इस दिव्य धार्मिक महोत्सव का समापन होगा। संकल्प सेवा समिति के सदस्यों ने बताया कि इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में नगरवासियों का भरपूर सहयोग मिलता रहा है। पिछले वर्ष भी सभी श्रद्धालुओं के सहयोग और सेवा भाव से कार्यक्रम ऐतिहासिक रूप से सफल रहा था। इस वर्ष भी समिति पूरे उत्साह और समर्पण के साथ आयोजन की तैयारियों में जुटी हुई है। उन्होंने नगर एवं आसपास के सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस शिवमय आयोजन में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करें तथा भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त करें।

मऊ में गुरु वंदन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की धूम

विधायक शरद जुगलाल कोल सहित जनप्रतिनिधियों ने गुरुजनों का किया सम्मान

नवभारत,ब्यौहारी। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर सांदीपनि विद्यालय, मऊ में आयोजित गुरु वंदन एवं सांस्कृतिक समारोह श्रद्धा, संस्कार और भारतीय संस्कृति का अनुपम उदाहरण बन गया। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में गुरु-शिष्य परंपरा के सम्मान के साथ रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यार्थियों की आकर्षक प्रस्तुतियों पर दर्शकों ने तालियों की गूंज के साथ उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शरद जुगलाल कोल रहे। उनके साथ जनपद पंचायत अध्यक्ष आकांक्षी प्रीतू सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष कृष्ण राजन गुप्ता, जिला पंचायत सदस्य पुष्पेन्द्र सिंह अपनी धर्मपत्नी सहित, ग्राम पंचायत खामडाड़ के सरपंच, भाजपा मंडल अध्यक्ष मऊ-बाणसागर, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, ब्रह्मानंद श्रीवास्तव, बीआरसीसी मनोज केशरवानी तथा अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, शिक्षक-शिक्षिकाएं और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इस अवसर पर अतिथियों ने गुरु-शिष्य परंपरा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि जीवन को सही दिशा, संस्कार और चरित्र निर्माण का मार्ग भी प्रशस्त करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से गुरुजनों का सम्मान करने, अनुशासन एवं नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाकर समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देने का आह्वान किया।

एक नजर में

बेकाबू वाहन ने गौवंशों को बेरहमी से कुचला, 6 की मौक़े पर मौत, 4 गंभीर

नवभारत,शहडोल। जिले से रोंगटे खड़े कर देने वाला हिट एंड रन का मामला सामने आया है। जहां एक अज्ञात बेकाबू वाहन ने सड़क पर मौजूद गौवंशों को बेरहमी से कुचल दिया। इस भीषण हादसे में 6 से ज्यादा गौवंशों की मौके पर ही तड़प-तड़प कर मौत हो गई, जबकि 4 से अधिक गौवंश गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही गौ सेवक और गौ रक्षक मौके पर पहुंचे, घायल गौवंशों को इलाज के लिए गौशाला भेजा गया। पुलिस अब फरार वाहन और चालक की तलाश में जुटी है। यह पूरा मामला बुढ़ार थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, नेशनल हाईवे-43 पर पंचवटी चौराहे के समीप गौवंश सड़क पर एकत्र थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन गौवंशों को रौंदते हुए निकल गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि मवेशियों को संभलने तक का मौका नहीं मिला और सड़क पर ही तड़पते हुए 6 से ज्यादा गौवंशों ने दम तोड़ दिया। हादसे को अंजाम देने के बाद बेकाबू वाहन चालक मौके से फरार होने में कामयाब रहा। सड़क पर तड़पते गौवंशों को देखकर राहगीरों और स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना गौ सेवकों को दी।

फाइनेंस मैनेजर रविंद्र गणवीर का कुसमुंडा तबादला

नवभारत,धनपुरी। एसईसीएल सोहागपुर एरिया में पदस्थ एरिया फाइनेंस मैनेजर रविंद्र गणवीर का स्थानांतरण बिलासपुर मुख्यालय द्वारा कुसमुंडा एरिया के लिए कर दिया गया है। वहीं उनके स्थान पर हसदेव एरिया में पदस्थ मनोज कुमार को सोहागपुर एरिया का नया फाइनेंस मैनेजर नियुक्त किया गया है। यह आदेश बिलासपुर मुख्यालय द्वारा जारी स्थानांतरण सूची के तहत जारी किया गया, जिसके बाद अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच इस बदलाव को लेकर चर्चा का माहौल बना हुआ है। रविंद्र गणवीर ने सोहागपुर एरिया में अपने कार्यकाल के दौरान वित्त विभाग में पारदर्शिता, अनुशासन और बेहतर कार्यप्रणाली स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अमानक स्लैब कार्य का ठेकेदार ने नहीं किया सुधार

नवभारत,धनपुरी। नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड क्र. 12 में अमानक रूप से स्लैब का निर्माण कार्य ठेकेदार के द्वारा किया गया था जिसका समाचार नवभारत ने प्रमुखता के साथ प्रकाशित करके नगर पालिका प्रशासन का ध्यान इस ओर आकर्षित कराया गया था खबर प्रशासन के बाद नगर पालिका परिषद द्वारा ठेकेदार को एक सप्ताह का समय दिया गया था व कहा गया की नियम के अनुसार कार्य को करना सुनिश्चित किया जाए अन्यथा बिल का भुकतान रोक कर नगर पालिका द्वारा नियमानुसार ठेकेदार के विरुद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी,

उसके बावजूद समय सीमा समाप्त होने के बाद भी ठेकेदार के द्वारा विसंगति पूर्ण किए गए कार्य पर किसी तरह का सुधार नहीं किया गया।

जब इस संबंध में नगर पालिका के सहायक उप यंत्री के सिद्धार्थ सोनी से कार्यवाही के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा ठेकेदार को हमारे द्वारा एक सप्ताह का समय दिया गया था उसके बावजूद भी उसके द्वारा किसी तरह का कोई सुधार कार्य जब नहीं किया गया तो उसे नगर पालिका परिषद में बुलाकर शख्स हिदायत दी गई अगर जल्द ही कार्य को व्यवस्थित व नियमानुसार नहीं किया जाएगा तो किसी भी तरह का बिल का भुगतान कार्य का नहीं किया जाएगा सहायक उपयंत्री सिद्धार्थ सोनी ने स्पष्ट शब्दों में कहा किसी भी वार्ड में अमानक स्तर का कार्य अगर ठेकेदार द्वारा किया जा रहा है वह उसकी सूचना संबंधित विभाग तक अगर आएगी तो उस पर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी व किसी तरह की कोताही बर्दास्त नहीं की जाएगी अगर किसी तरह की ठेकेदारों द्वारा नियम के विपरीत कार्य किया जाता है तो उस ठेकेदार के ऊपर नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी सहायक उप यंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि मेरे संज्ञान में अगर इस तरह की कोई भी बात आती है तो मैं उसे पर नियमानुसार कार्यवाही करूंगा व किसी तरह के कार्य के बिलों का भुगतान परिषद द्वारा नहीं किया जाएगा अब देखना होगा उपयंत्री के आदेश का पालन ठेकेदार के द्वारा किया जाता है या फिर ढाक के तीन पात वाली कहावत चरितार्थ होगी।

भूमाफिया ने गोफ क्षेत्र में बेच दी जमीन

नवभारत,बुढार। नगर के जेल बिल्डिंग के सामने स्थित खसरा क्रमांक 1026, 1707, 1708, 1709, 1710, 1711 एवं 1717 की जमीनों पर विकसित कॉलोनी को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार इन जमीनों के नीचे वर्षों पहले रूंगटा की भूमिगत कोयला खदान संचालित हो चुकी थी। यह पूरा इलाका कभी गोफ (भूमिगत खनन से प्रभावित क्षेत्र) के रूप में जाना जाता था, जहां जमीन के अंदर बड़े हिस्से खोखले हो चुके हैं। आरोप है कि भूमाफियाओं ने इस महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाकर लोगों को प्लॉट बेच दिए। अधिकांश खरीदारों को इस बात की जानकारी तक नहीं है कि जिन भूखंडों पर उन्होंने

मकान बनाए हैं या निर्माण की तैयारी कर रहे हैं, उनके नीचे कभी भूमिगत खदान संचालित हो चुकी है सवाल यह है कि कभी ऐसे में भविष्य में यदि कहीं जमीन बैठने जैसी घटना होती है तो जन-धन की बड़ी हानि हो सकती है।

कोयलांचल क्षेत्र में गोफ प्रभावित इलाकों में पहले भी जमीन धंसने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। यही कारण है कि ऐसे क्षेत्रों में निर्माण कार्य और आबादी बसाने से पहले तकनीकी जांच और सुरक्षा मानकों का पालन आवश्यक माना जाता है। इसके बावजूद संबंधित भूमि पर कॉलोनी विकसित हो जाना कई सवाल खड़े करता है। और सवाल सम्बंधित विभाग पर भी खड़ा होता है उनके द्वारा कैसे आदेश जारी कर दिए जाते हैं । सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि यह क्षेत्र भूमिगत खनन से प्रभावित था, तो इन जमीनों की रजिस्ट्रियां किस आधार पर की गईं। क्या संबंधित विभागों से सुरक्षा संबंधी जानकारी ली गई थी या फिर बिना पर्याप्त परीक्षण के पंजीयन कर दिया गया। यह भी जांच का विषय है कि भूमि की वास्तविक स्थिति खरीदारों से क्यों छिपाई गई।

मां काली मंदिर बना पंजीकृत लोक न्यास, पहली कार्यसमिति गठित

अध्यक्ष से लेकर स्थायी सदस्य तक का सर्वसम्मति से हुआ चयन

नवभारत,शहडोल। सिंहपुर स्थित प्रसिद्ध मां काली मंदिर के संचालन और विकास को अब नई दिशा मिलेगी। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं पंजीयक लोक न्यास सोहागपुर अमृता गर्ग के निर्देशानुसार मां काली मंदिर सिंहपुर एवं मंदिर परिसर को मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम, 1951 के तहत विधिवत लोक न्यास के रूप में पंजीकृत किए जाने के बाद ट्रस्ट की पहली कार्यसमिति का गठन कर दिया गया है।

सदस्यता प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद आयोजित प्रथम सामान्य सभा में सभी पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन किया गया।

गठित कार्यसमिति में अध्यक्ष शिवनारायण द्विवेदी पिता रामनारायण द्विवेदी, सिंहपुर, उपाध्यक्ष मनीष शुक्ला पिता स्व. रामचन्द्र शुक्ला नरगी, सह सचिव श्रवण श्रीवास्तव पिता स्व. राजेश कुमार श्रीवास्तव, सिंहपुर, सह कोषाध्यक्ष दीपेश तिवारी पिता जगदीश प्रसाद तिवारी, सिंहपुर, स्थायी सदस्य जगदीश प्रसाद तिवारी पिता स्व.रोहणी प्रसाद तिवारी, सिंहपुर को बनाया गया है। नई कार्यसमिति मंदिर के प्रशासन, आय-व्यय, रखरखाव तथा विकास कार्यों का संचालन व्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से करेगी। पंजीयक लोक न्यास द्वारा जारी आदेश में निर्देश दिए गए हैं कि मंदिर से संबंधित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं तहसीलदार सोहागपुर एवं नायब तहसीलदार सिंहपुर के सहयोग से सुनिश्चित की जाएं।

शासकीय महाविद्यालय में गुरु पूर्णिमा पर गुरु-शिष्य परंपरा का दिया संदेश

प्राचार्य डॉ. राजकुमार महोबिया ने गुरु के महत्व पर दिया उद्बोधन

नवभारत,शहडोल। शासकीय महाविद्यालय, गोहपारू में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय संस्कृति में गुरु के महत्व, गुरु-शिष्य परंपरा तथा विद्यार्थियों में नैतिक एवं मानवीय मूल्यों का विकास करना रहा। कार्यक्रम में प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए गुरु परंपरा के आदर्शों का अनुसरण करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजकुमार महोबिया ने अपने संबोधन में गुरु पूर्णिमा के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गुरु केवल ज्ञान प्रदान करने वाले शिक्षक नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और जीवन को सही दिशा देने वाले मार्गदर्शक होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से गुरुजनों के प्रति सम्मान, अनुशासन और सतत अध्ययन की भावना बनाए रखने का आह्वान किया इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक धीरेंद्र कुमार पांडेय ने भी गुरु-शिष्य संबंधों की गरिमा और भारतीय परंपरा में गुरु के सर्वोच्च स्थान पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने विद्यार्थियों को गुरु के मार्गदर्शन का अनुसरण करते हुए आदर्श एवं जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक कुंती साहू, मूलचंद साहू, सुदीप्त, शीतल संध्या तथा कार्यक्रम प्रभारी डॉ. संध्या मिश्रा की विशेष उपस्थिति रही। सभी प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों को गुरु के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता एवं सदाचार के महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम के अंत में छात्र-छात्राओं ने गुरु पूर्णिमा के संदेश को आत्मसात करते हुए गुरु परंपरा के आदर्शों का पालन करने तथा समाज के प्रति सकारात्मक योगदान देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं समन्वय डॉ. संध्या मिश्रा ने किया।

जयसिंहनगर जनपद में अघोषित ठेकेदारों का बोलबाला, निर्माण कार्यों पर उठे सवाल

नवभारत,शहडोल। जयसिंहनगर जनपद पंचायत में ग्राम पंचायतों के निर्माण कार्यों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि क्षेत्र की अधिकांश ग्राम पंचायतों में विकास कार्य कागजों में पंचायतों के नाम से कराए जा रहे हैं, जबकि वास्तविक रूप से निर्माण कार्य अघोषित ठेकेदारों के माध्यम से कराया जा रहा है। इससे पंचायत राज व्यवस्था और सरकारी नियमों के पालन पर सवाल उठने लगे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जनपद क्षेत्र की लगभग हर ग्राम पंचायत में ऐसे ठेकेदार सक्रिय हैं, जो

पंचायतों के निर्माण कार्यों का संचालन कर रहे हैं। इतना ही नहीं, जनपद पंचायत कार्यालय में भी मनरेगा, निर्माण और तकनीकी शाखा के आसपास इन ठेकेदारों की मौजूदगी आम बात बताई जा रही है। आरोप यह भी है कि कई बार अघोषित ठेकेदार स्वयं माप पुस्तिका (एमबी) लेकर उपयंत्रियों और संबंधित अधिकारियों के पास माप एवं भुगतान संबंधी कार्यों के लिए चक्कर लगाते देखे जाते हैं।चर्चा है कि इन ठेकेदारों को कुछ सरपंचों और सचिवों के साथ-साथ विभागीय अधिकारियों का भी संरक्षण प्राप्त है। वहीं क्षेत्र में यह भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि कुछ प्रभावशाली राजनीतिक लोगों के संरक्षण के कारण इन पर कार्रवाई नहीं हो पा रही है। ऐसे में पंचायतों के विकास कार्यों के लिए आवंटित सरकारी राशि के उपयोग और पारदर्शिता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इस संबंध में जनपद सदस्य एवं महिला एवं बाल विकास समिति के सभापति राजेश मिश्रा ने आरोप लगाया कि जयसिंहनगर जनपद क्षेत्र में सत्ता के संरक्षण में ठेकेदारी व्यवस्था चरम पर है। उन्होंने बताया कि इस मामले में उन्होंने पूर्व में जनपद पंचायत को लिखित शिकायत भी दी थी। शिकायत के बाद तत्कालीन जनपद सीईओ द्वारा ग्राम पंचायतों को पत्राचार किया गया था, लेकिन इसके बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हुआ। उनका दावा है कि कार्रवाई होने के बजाय क्षेत्र में अघोषित ठेकेदारों की संख्या और बढ़ गई।अब सवाल यह उठ रहा है कि यदि ग्राम पंचायतें ही निर्माण एजेंसी हैं, तो निर्माण कार्यों में अघोषित ठेकेदारों की भूमिका क्यों दिखाई दे रही है।

महर्षि विद्या मंदिर में गुरु पूर्णिमा पर गुरु पूजन एवं रुद्राभिषेक संपन्न

नवभारत,शहडोल। महर्षि विद्या मंदिर, शहडोल में गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा के अंतर्गत गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा एवं आध्यात्मिक वातावरण में मनाया गया। महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के अध्यक्ष वेद विद्या मार्तण्ड डॉ. ब्रह्मचारी गिरीश जी के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में महर्षि सांदीपनि के चित्र के समक्ष विधिवत गुरु पूजन किया गया। इस अवसर पर पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। यह धार्मिक अनुष्ठान आचार्य पं. हरीश कुमार मिश्रा एवं आचार्य पं. राजीव कांत मिश्रा द्वारा संपन्न कराया

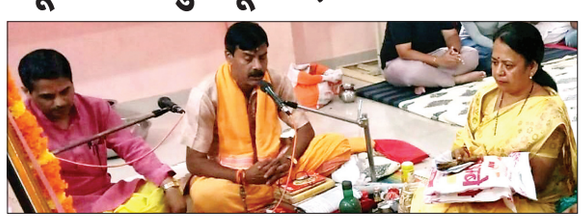

गया।कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य डॉ. भावना तिवारी, वरिष्ठ शिक्षिका रीमा मिश्रा एवं शिखा विश्वकर्मा ने यजमान के रूप में पूजा-अर्चना की। गुरु पूजन एवं रुद्राभिषेक में विद्यालय के विद्यार्थियों के साथ-साथ समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी श्रद्धापूर्वक सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय की अकादमिक इंचार्ज कीर्ति गुप्ता, शोभा परौहा, मधु मिश्रा, सविता द्विवेदी एवं अविनाश प्रकाश राव का विशेष सहयोग रहा। विद्यालय परिवार ने गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को रेखांकित करते हुए गुरुजनों के प्रति सम्मान और भारतीय संस्कृति के मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश दिया।

लापरवाही टेटका मोड़ से जयसिंहनगर मार्ग पर निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल

बनते ही उखड़ने लगी करोड़ों की सड़क, लंबी दरार ने खोली गुणवत्ताहीन निर्माण की पोल

नवभारत,शहडोल। वर्षों की प्रतीक्षा के बाद शहडोल से टेटका मोड़ होते हुए जयसिंहनगर तक सड़क के निर्माण एवं चौड़ीकरण का कार्य शुरू होने से क्षेत्रवासियों को बेहतर और सुरक्षित आवागमन की उम्मीद जगी थी। लेकिन निर्माण कार्य पूरा होने से पहले ही सड़क की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। हालात ऐसे हैं कि नव निर्मित सड़क पर करीब 15 मीटर लंबी दरार साफ दिखाई देने लगी है, जबकि कई स्थानों पर डामर और गिट्टी उखड़ना भी शुरू हो गई है। इससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता और तकनीकी मानकों के पालन पर संदेह गहरा गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की सतह को देखकर ऐसा नहीं लगता कि निर्माण कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों और गुणवत्ता नियंत्रण के अनुरूप किया जा रहा है। निर्माणाधीन सड़क में इतनी जल्दी दरारें पड़ना और डामर का उखड़ना इस बात का संकेत है कि या तो निर्माण सामग्री की गुणवत्ता में कमी बरती गई है या फिर कार्य के दौरान आवश्यक इंजीनियरिंग प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया। यदि यही स्थिति रही तो करोड़ों रुपये की लागत से बन रही यह सड़क कुछ ही समय में जर्जर हो सकती है।

क्षेत्रवासियों का आरोप है कि एमपीआरडीसी के जिम्मेदार अधिकारी, विभागीय इंजीनियर और ठेकेदार निर्माण कार्य की निगरानी को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं। मौके पर गुणवत्ता परीक्षण, परतों की जांच और तकनीकी निरीक्षण केवल कागजों तक सीमित दिखाई देता है। यदि निर्माण के दौरान ही इस प्रकार की खामियां सामने आ रही हैं तो भविष्य में सड़क की स्थिति और अधिक खराब होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।सड़क निर्माण विभागीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप कार्य होना चाहिए, लेकिन वर्तमान स्थिति इन मानकों पर सवाल खड़े कर रही है। विशेषज्ञों का भी मानना है कि नई सड़क पर प्रारंभिक अवस्था में दरारें दिखाई देना सामान्य नहीं माना जाता और इसकी स्वतंत्र तकनीकी जांच आवश्यक होती है।

क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि निर्माणाधीन सड़क की उच्चस्तरीय तकनीकी जांच कराई जाए, दोषी अधिकारियों और ठेकेदार की जिम्मेदारी तय की जाए तथा जहां-जहां निर्माण में खामियां हैं, उन्हें भुगतान से पहले निर्धारित मानकों के अनुसार दोबारा बनवाया जाए। लोगों का कहना है कि यदि अभी गुणवत्ता पर सख्ती नहीं बरती गई तो सरकारी धन की बर्बादी के साथ-साथ आम जनता को भी लंबे समय तक खराब सड़क का खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

राज साहू बने रेस्क्यू प्रभारी

नवभारत,धनपुरी। अटल कामधेनु गौ सेवा संस्थान द्वारा गौरव राहुल मिश्रा के अनुशंसा पर व गौ सेवा संस्थान धनपुरी के प्रमुख राम दुबे के द्वारा राज साहू को गौ सेवा संगठन राजेंद्रा का रेस्क्यू प्रभारी नियुक्त किया गया है व अपेक्षा व्यक्त की गई है कि संस्थान द्वारा उन्हें दिए गए कार्य को उनके द्वारा समर्पण भाव के साथ गायों के प्रति संवर्धन का कार्य करते हुए अटल गौ सेवा संस्थान को मजबूती प्रदान करेंगे इनकी नियुक्ति से उनके शुभचिंतको ने बधाई दी व आशा व्यक्त की उनको मिले इस दायित्व का उनके द्वारा पूरी निष्ठा के साथ निर्वाहन करेंगे।

गैस एजेंसी की मनमानी, गोदाम के बाहर खुलेआम बिक रहे सिलेंडर

नवभारत,बुढ़ार। रसोई गैस उपभोक्ताओं की परेशानियां कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। एक तरफ जहां उपभोक्ताओं को हफ्तों तक होम डिलीवरी नहीं मिल रही है, वहीं दूसरी तरफ गैस एजेंसियों के गोदामों के बाहर खुलेआम सिलेंडरों की कालाबाजारी का खेल चल रहा है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि उपभोक्ताओं के घरों तक पहुंचने वाले सिलेंडरों से गैस निकालकर (गैस कटिंग) 'आधे भरे सिलेंडर' बेचे जा रहे हैं, जो अब माफियाओं और बिचौलियों की काली कमाई का एक बड़ा जरिया बन चुका है।

गोदाम के बाहर से ही हो रही सिलेंडरों की सेटिंग

नियमों के मुताबिक गैस सिलेंडर सीधे उपभोक्ता के घर (होम डिलीवरी) पहुंचने चाहिए, लेकिन बुढ़ार और आस-पास के क्षेत्रों से लगातार शिकायतें आ रही हैं कि डिलीवरी वाहन बस्तियों में जाने के बजाय गोदाम के आस-पास ही खड़े रहते हैं। यहां से सिलेंडरों को सीधे होटलों, ढाबों और ब्लैक में गैस खरीदने वालों को ऊंचे दामों पर बेच दिया जाता है। आम उपभोक्ता जब गोदाम पहुंचता है, तो उसे 'स्टॉक खत्म होने' का बोर्ड दिखा कर वापस लौटा दिया जाता है।

गैस कटिंग: आधा सिलेंडर बना कमाई का जरिया इस पूरे खेल में सबसे खतरनाक पहलू गैस की चोरी है। सूत्रों और उपभोक्ताओं की मानें तो।

गैस की चोरी- गोदाम से निकलने के बाद और उपभोक्ता तक पहुंचने से पहले सिलेंडरों से 2 से 3 किलो गैस निकाल ली जाती है। नया सिलेंडर तैयार करने 4-5 सिलेंडरों से निकाली गई इस गैस को एक खाली सिलेंडर में भरकर एक नया (आधा या पौना) सिलेंडर तैयार कर लिया जाता है। अवैध बिक्री- इस चोरी की गैस से भरे सिलेंडरों को बाजार में अवैध रूप से मनमाने दामों पर बेचा जाता है। उपभोक्ता जब बिना वजन किए सिलेंडर घर ले जाते हैं, तो वह 30 दिन चलने के बजाय 15-20 दिन में ही खत्म हो जाता है।

उपभोक्ताओं की परेशानी और आक्रोश

घंटों लाइन में लगना-जिन उपभोक्ताओं ने हफ्तों पहले बुकिंग कराई है, वे अपना काम छोड़कर गोदाम के बाहर लाइन लगाने को मजबूर हैं।

वजन तौलने की मशीन नहीं होना

डिलीवरी वाहनों और गोदामों पर वजन तौलने वाली मशीनें या तो उपलब्ध नहीं होतीं, या वे जानबूझकर खराब रखी जाती हैं।

प्रशासनिक जांच की सख्त दरकारा

लगातार हो रही इस खुली लूट और कालाबाजारी के बाद अब स्थानीय लोगों ने मांग की है कि प्रशासन तत्काल प्रभाव से गैस गोदामों पर औचक निरीक्षण करे। उपभोक्ताओं का कहना है कि गैस कटिंग करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए और हर डिलीवरी वाहन पर वजन तौलने की मशीन अनिवार्य रूप से चालू हालत में रखी जाए।